यमुना कायाकल्प: दिल्ली में ₹8,941 करोड़ की परियोजनाएँ — 10 का उद्घाटन, 33 का शिलान्यास

पर्यावरण और शहरी शासन | समाचार संदर्भ: 22 अक्टूबर 2026 (पीआईबी, गृह मंत्रालय) | प्रकाशित: 23 अक्टूबर 2026

खबरों में क्यों

गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 22 अक्टूबर 2026 को दिल्ली में यमुना कायाकल्प से जुड़ी कुल ₹8,941 करोड़ लागत की परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास समारोह में भाग लिया; उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी उपस्थित थीं (पीआईबी, 22 अक्टूबर 2026)। विज्ञप्ति के अनुसार 10 परियोजनाओं का उद्घाटन और 33 परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ; इनमें मौजूदा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP, गंदे घरेलू पानी को साफ कर उपयोग योग्य बनाने वाले संयंत्र) के उन्नयन, नए STP, विकेंद्रित STP पंपिंग स्टेशन और घरों तक सीवर-लाइन जोड़ने के कार्य शामिल हैं।

विज्ञप्ति के प्रमुख तथ्य

- केंद्र और दिल्ली, हरियाणा व उत्तर प्रदेश की सरकारों ने संयुक्त समय-बद्ध रोडमैप बनाया है जिसके तहत यमुना को 2029 तक (संबोधन में “मई 2029 से पहले”) स्वच्छ करने का लक्ष्य है; दिल्ली को दी गई कार्ययोजना के तहत अब तक लगभग 40% कार्य पूर्ण बताया गया।
- **कचरे के पहाड़ों के संदर्भ में:** 2.17 करोड़ मीट्रिक टन कचरा हटाया गया और 100 एकड़ भूमि मुक्त हुई; ओखला और भलस्वा के कचरा-पहाड़ 30-40 मीटर, गाज़ीपुर का 10-15 मीटर घटा (विज्ञप्ति-विवरणानुसार)।
- सराय काले खां और ITO के पास आसिता ईस्ट, बांसेरा और वासुदेव घाट जैसे नदी-तट कार्यों का उल्लेख है; हर घर सीवरेज कनेक्शन के लिए तीन-वर्षीय कार्ययोजना तैयार की गई है।

संदर्भ और विस्तृत व्याख्या

यमुना-प्रदूषण की जड़ दिल्ली के गंदे घरेलू जल का नदी में सीधे गिरना है; इसलिए कायाकल्प की असली कड़ी सीवेज-अवसंरचना है। इसी घोषणा-पैकेट के तीन अंग ध्यान देने योग्य हैं: मौजूदा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) का उन्नयन, नए और विकेंद्रित STP तथा पंपिंग स्टेशन, और घरों तक सीवर-लाइन — यानी उपचार-क्षमता और संग्रह-नेटवर्क दोनों। हर घर सीवरेज कनेक्शन के लिए तीन-वर्षीय कार्ययोजना बनी है।

लक्ष्य-ढाँचा भी परीक्षा-तथ्य है: केंद्र और दिल्ली, हरियाणा व उत्तर प्रदेश की सरकारों के संयुक्त समय-बद्ध रोडमैप के तहत यमुना को 2029 तक (संबोधन में "मई 2029 से पहले") स्वच्छ करने का लक्ष्य है; दिल्ली की कार्ययोजना में लगभग 40% कार्य पूर्ण बताया गया। कुल लागत ₹8,941 करोड़ — 10 परियोजनाओं का उद्घाटन और 33 का शिलान्यास।

PCSMANTRA.COM

कचरे के पहाड़ों के आँकड़े लैंडफ़िल बायोमाइनिंग (पुराने कचरे को खुदकर हटाने की विधि) से जुड़े हैं: 2.17 करोड़ मीट्रिक टन कचरा हटकर 100 एकड़ भूमि मुक्त; ओखला और भलस्वा के पहाड़ 30-40 मीटर, गाज़ीपुर का 10-15 मीटर घटे। सराय काले खां और ITO के पास आसिता ईस्ट, बांसेरा और वासुदेव घाट नदी-तट कार्य हैं। सीमा नोट करें: सभी आँकड़े और दावे विज्ञप्ति-उद्धृत हैं, स्वतंत्र सत्यापन नहीं — कथन-प्रश्नों में 'विज्ञप्ति के अनुसार' की यही सीमा काम आती है।

परीक्षा की दृष्टि से

यमुना-प्रदूषण का नगरीय शासन-आयाम (STP क्षमता, सीवर-कनेक्शन) और कचरा-पहाड़ (लैंडफ़िल बायोमाइनिंग) — GS-III पर्यावरण/शहरीकरण; लक्ष्य-वर्ष (2029) और लागत प्रिलिम्स-तथ्य।

स्रोत और सीमाएँ

- पीआईबी (गृह मंत्रालय), 22 अक्टूबर 2026 (पढ़ा): https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2326673
- **सीमाएँ:** सभी आंकड़े/दावे विज्ञप्ति-उद्धृत हैं (स्वतंत्र सत्यापन नहीं); संबोधन के राजनीतिक अंश इस लेख में शामिल नहीं किए गए।

PCSMANTRA.COM